

असाधार्ग EXTRAORDINARY

भाग II—लण्ड 3—उप-लण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 451] नई दिल्ली, शुक्रवार, दिसम्बर 6, 1991/अग्रह्यण 15, 1913 No. 451] NEW DELHI, FRIDAY, DECEMBER 6, 1991/AGRAHAYANA 15, 1913

इ.स. भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की जानी है जिससे कि यह अलग शंकालन के साथ में रखा जा सफी

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

रोल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

ध्यधिसूचना]

नई बिल्ली, 6 दियम्बर, 1991

मा. का. नि. 726 (अ) :- केन्द्रांय सरकार, रेश वावा प्रधिकरण प्रधिनियम, 1987 (1987 का 54) की धारा 30 की उपधारा (2) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्य णिक्तयों का प्रयोग करते हुए, रेश दावा प्रधि-करण (प्रद्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्यों का वेतन और कत्ता तथा सेवा को शर्ते) नियम, 1989 का और संशोधन करने के सिए निक्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :--

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम रेख दावा प्रधिकरण (श्रव्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्यों का बैठन और भत्ता तथा सेवा की शर्तों) संबोधन नियम, 1991 है।
 - (2) ये राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंने ।

- 2. रेल वाक्षा ग्राधिकरण (ग्राध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्यों का वेशन और भत्ता तथा सेव। की गर्तेंं) नियम, 1989 में,---
 - (1) नियम 6 में,--
 - (i) उपित्रथम (i) के साढ़ (i) में "या उसके किसो भाग" प्राव्यों के न्थान पर "और उसके किसो भाग के लिए ब्रान्पाक्षिक छुटटो" सभ्य रखे जाएंगे ;
 - (ii) अपनिथम (2) के पश्चात निम्निविधित परन्तुक जोड़ा जाएगा, अथित :--

"परन्तु उपाणित छुटर। का मुक प्रथिध जिसके घरनर्गत रार्घ प्रवकाण का यह अवधि भी है जिसका उपभोग नहीं किया गया है, एक वर्ष में 30 विन से प्रधिक नहीं होंगी।"

(2) नियम 8 के उपनियम (2) में 'या उसके भाग' गब्दों का लीप किया आएगा।

[सं. 89/टी. सी /ग्रार. सी, टी/1---6]

भगोक मल्हीला, सस्राहकार (वाणिज्य) रेलवे बोकं

MINISTRY OF RAILWAYS

(Railway Board)

NOTIFICATION

New Delhi, the 6th December, 1991

G.S.R. 726(E).—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-Section (2) of section 30 of the Railway Claims Tribunal Act, 1987 (54 of 1987), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Railway Claims Tribunal (Salaries and Allowances and conditions of Services of Chairman, Vive-Chairman and Members), Rules, 1989, namely:—

- 1. (1) These rules may be called the Railway Claims Tribunal (Salaries, Allowances and conditions of services of Chairman, Vice-Chairman and Members) Amendment Rules, 1991.
- (2) They shall come into force on the date of their publications in the Official Gazette.
- 2. In the Railway Claims Tribunal (Salaries, Allowances and Conditions of Services of Chairman, Vice-Chairman and Members) Rules, 1989,—
 - (1) In rule 6,—
 - (i) in clause (i) of sub-rule (1), for the words "or a part thereof" the words "and proportionate leave for a part thereof" shall be substituted.
 - (ii) in sub rule 2, for the words "to his leave account, the following words and the proviso shall be substituted, namely:—
 - "to his leave account:

Provided that the total period of earned leave including the unenjoyed period of vacation shall not exceed 30 days in a year.

(2) In sub-rule (2) of rule 8, for the words "or service or a part thereof" the words "of service" shall be substituted.

[No. 89/TC/RCT/1--6]
ASHOK MALHOTRA, Adviser
Commercial Railway Board.